

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the Zero Hour submission made by Vandana ji.

SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI (Odisha): Sir, I also associate myself with the Zero Hour submission made by Vandana ji.

Steps to be taken for proper functioning of DISHA Committees

श्री जावेद अली खान (उत्तर प्रदेश): माननीय सभापति जी, जैसा हम सब जानते हैं कि समाज के सभी वर्गों को समान स्तर पर लाने के लिए हमारी सरकार अनेक योजनाओं को संचालित करती है। मैं अल्पसंख्यकों के विषय में यह कहना चाहूंगा कि अल्पसंख्यक विभाग, मानव संसाधन मंत्रालय और प्रधान मंत्री का 15 सूत्री कार्यक्रम, अल्पसंख्यकों में शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास भाषा और संस्कृति के संरक्षण के लिए कई प्रकार की योजनाएं चलाता है।

महोदय, मैंने कई बार इन योजनाओं की निगरानी या monitoring का प्रश्न सदन के समक्ष उठाया है और अल्पसंख्यक मंत्रालय के मंत्री महोदय ने भी कई बार आश्वासन दिया है कि इन योजनाओं की निगरानी या monitoring समय-समय पर और सही तरीके से की जाएगी, लेकिन पिछले दिनों, वर्ष 2018 में जब केन्द्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा और निगरानी करने के लिए जनपद स्तर और राज्य स्तर पर 'दिशा समिति' का गठन हुआ, तब यह समझा गया था कि अब सारी योजनाएं सही तरीके से चलेंगी और उनकी monitoring भी होगी। मैंने पिछले महीने जिला स्तर पर दिशा की एक बैठक में भाग लिया था। उसमें 80 लोगों को आमंत्रित किया गया था। उसमें सांसदों से लेकर ब्लॉक प्रमुखों तक 36 जन प्रतिनिधि थे। उनके अलावा उनमें 44 विभिन्न अधिकारियों, जो विभिन्न विभागों का जिला स्तर पर कार्य करते हैं, उनको भी आमंत्रित किया गया था। उनकी संख्या 44 थी। जब मैंने पूछा कि जिले का जो अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी होता है, वह कौन है और कहाँ है, तब मुझे यह बताया गया कि इसमें अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को आमंत्रित नहीं किया गया है। मेरे पास निमंत्रण पत्र की वह सूची है, जिसमें विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को प्रतिलिपि भेजी गई थी। उसके बाद मैंने जिला अधिकारी से, जो मीटिंग का convenor होता है, उससे भी जानकारी चाही कि जिन योजनाओं को आपने इसमें सूचीबद्ध किया है, जो संख्या में 41 हैं, उसके अंदर अल्पसंख्यकों के कल्याण से संबंधित किसी योजना का जिक्र क्यों नहीं है? यह प्रश्न पूछने पर उन्होंने मुझे यह पुस्तिका दी, जो केन्द्र सरकार द्वारा ग्रामीण विकास मंत्रालय, जो कि दिशा का संचालन करता है, के द्वारा जारी की गई है। इसमें मात्र 41 योजनाओं का जिक्र है और अल्पसंख्यकों से संबंधित एक भी योजना को उसमें सूचीबद्ध नहीं किया गया है।

सभापति महोदय, मैं यह जानना चाहता हूँ कि अल्पसंख्यकों के लिए और अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए जो योजनाएं चल रही हैं, उनके प्रति सरकार की इतनी बेरुखी क्यों है कि जो समिति बनी है, उसमें भी उनको निगरानी नहीं करने देना चाहती है?

† جناب جاوید علی خان (اثر پردیش) : مائے سبھا پتی جی، جیسا ہم سب جانتے ہیں کہ سماج کے سبھی ورگوں کو سمان اسٹر پر لانے کے لئے ہماری سرکار ایک ہیجناؤں کو سنجالت کر رہی ہے۔ میں اقلیتوں کے وشے میں یہ کہنا چاہوں گا کہ اقلیتی وبھاگ، مانو سنسادهن منترالے اور پردھان منتری کا 15 سوتری کارئے کرم، اقلیتوں میں شکشا، روزگار، کوشل وکاس بھاشا اور سنسکرت میں سنرکشن کے لئے کئی طرح کی ہیجناؤں چلاتا ہے۔

مہودے، میں نے کئی بار ان ہیجناؤں کی نگرانی کی مارٹھنگ کا سوال سدن کے سامنے اٹھایا ہے اور اقلیتی منسٹری کے منتری مہودے نے بھی کئی بار آشواس دئی ہے کہ ان ہیجناؤں کی نگرانی کی مارٹھنگ وقت وقت پر اور صحیح طریقے سے کی جائے گی، لیکن پچھلے دنوں، سال 2018 میں جب کٹدر سرکار کے ذریعے سنجالت ہیجناؤں کی سمکشا اور نگرانی کرنے کے لئے جن چد اسٹر اور راجی اسٹر پر 'دشا سمیٹی' کا گٹھن ہوا، تب یہ سمجھا گئی تھا کہ اب ساری ہیجناؤں صحیح طریقے سے چلی گئی اور ان کی مارٹھنگ بھی ہو گئی۔

میں نے پچھلے مہینے ضلع اسٹر پر دشا کی ایک ہٹھک میں حصہ لیا تھا۔ اس میں اسی لوگوں کو بلائی گئی تھا۔ اس میں سانسدوں سے لے کر بلاک پرمکھوں تک چھٹیں جن پر بندھی تھیں۔ ان کے علاوہ ان میں چوالیس مختلف ادھیکاری، جو مختلف وبھاگوں کا ضلع اسٹر پر کائے کرتے ہیں، ان کو بھی بلائی گئی تھا۔ ان کی تعداد چوالیس تھی۔ جب میں پوچھا کہ ضلع کا جو الپ-سنخیک کلن ادھیکاری ہوتا ہے، وہ کون ہے اور کہاں ہے؟ تب مجھے یہ بتائی گئی کہ اس میں الپ-سنخیک کلن ادھیکاری کو بلائی نہیں گئی ہے۔

میں نے پاس دعوت نامے کی وہ لسٹ ہے، جس میں مختلف وبھاگوں کے ضلع اسٹرنے ادھیکاریوں کو پرٹھپی بھیجی گئی تھی۔ اس کے بعد میں نے ضلع ادھیکاری سے، جو مٹنگ کا کنوینر ہوتا ہے، اس سے بھی جانکاری چاہی کہ جن ہیجناؤں کو آپ نے اس میں لسٹڈ کیا ہے، جو تعداد میں اکتالیں ہیں، اس کے اندر الپ-سنخیکوں کے کلن سے سمبندھت کسری ہیجنا کا ذکر کیوں نہیں ہے؟ یہ سوال پوچھنے پر انہوں نے مجھے یہ کتاب دی، جو کٹدر سرکار کے ذریعے گرامن وکاس منترالے، جو کہ دشا کا سنجالن کرتا ہے، کے ذریعے جاری کی گئی ہے۔ اس میں صرف اکتالیں ہیجناؤں کا ذکر ہے اور الپ-سنخیکوں سے سمبندھت ایک بھی ہیجنا کو اس میں سوچی-بڈھ نہیں کٹی گئی ہے۔

سبھاپتی مہودے، میں یہ جاننا چاہتا ہوں کہ الپ-سنخیکوں کے لئے اور الپ-سنخیکوں کے کلن کے لئے جو ہیجناؤں چل رہی ہیں، ان کے تھے سرکار کی اتنی ہی رخی کیوں ہے کہ جو سمیٹی بری ہے، اس میں بھی ان کو نگرانی نہیں کرنے دینا چاہی ہے؟

(ختم شد)

MR. CHAIRMAN: Right. आप मुझे वह सूची भेज दीजिए, मैं भी उसको एक बार देखूंगा। श्रीमती विजिला सत्यानंत, आप बोलिए। आप बाद में देखते रहना, अभी मुझे वह भेज दीजिए। जिन माननीय सदस्यों को संबंधित विषय पर associate करना है, वे स्लिप भेज दें। मेरे ख्याल से सभी लोग इससे परिचित हैं, कि the moment the three minutes' time is over, time on the board stops and my clock here also stops.

SHRIMATI VIJILA SATHYANANTH: Sir, my clock is ticking on.

MR. CHAIRMAN: Yes, you will get 15 seconds extra.

श्री रवि प्रकाश वर्मा: महोदय, मैं स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

श्री अहमद हसन: महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

श्री रेवती रमन सिंह: महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

श्री हुसैन दलवाई: महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

श्रीमती शांता क्षत्री (पश्चिमी बंगाल): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करती हूँ।

श्रीमती जया बच्चन: महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करती हूँ।

SHRI M. SHANMUGAM (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI P. WILSON (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

**Need to make loudspeaker announcements
compulsory at all airports**

SHRIMATI VIJILA SATHYANANTH (Tamil Nadu): Sir, I thank our hon. Chairman who inspires young minds through his experience and wise ideas. I thank our hon. Chairman for giving me this opportunity to raise this very important issue. All the airports, mainly the metro airports, are now silent airports. No loudspeaker announcements or, in fact, no announcements are made, as these have been declared silent airports. Any type of announcement including the paging calls are not made at